Janata Shikshan Sanstha's

KISAN VEER MAHAVIDYALAYA, WAI

DEPARTMENT OF HINDI

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

हिंदी अध्ययन मंडल जून 2019 से लागू

हिंदी बी.ए.-1 (कला)

(शैक्षिक वर्ष-2019-20 से 2020-21, 2021-22, 2022-23) *प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।*

प्रश्नपत्र क्रमांक-A: सत्र 1

सृजनात्मक लेखन

(शैक्षिक वर्ष 2019-20 से)

BA PROGRAMME OUTCOMES

The learning of language and literature makes a student a better human being.

Through literature them is exposed to the society thus making them understand the various aspects of human life and environment.

To train the students in the field of translation so that they can use the expertise thus gained to enrich Malayalam and Hindi literature through translation.

To channelize their creative abilities towards writing in Hindi so as to enable them to contribute towards Indian literature.

To make them able to communicate in Hindi fluently so that they can get better opportunities even outside Kerala.

BA HINDI LANGUAGE AND LITERATURE PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

The programme encompasses various aspects of Hindi language and literature Theory .

It provides the students with a working knowledge of linguistics and grammar.

The study of functional Hindi, translations and journalism help them secure jobs in media and communication.

The programme imparts job opportunities in state and central government services as translators, Hindi offices and interpreters.

- ***Couse Outcomes***

प्रश्नपत्र क्रमांक-A: सत्र-1

सृजनात्मक लेखन

1.1 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप-

** लिंग और लिंग-व्यवस्था से परिचित होंगे।*

** वचन और वचन-व्यवस्था से परिचित होंगे।*

** कारकों के अर्थ और प्रयोग विधि से परिचित होंगे।*

** विराम चिह्नों के अर्थ और प्रयोग विधि से परिचित होंगे।*

** वाक्य और उसके प्रकारों से परिचित होंगे।*

** मानक वर्तनी के नियम और भाषा में प्रयोग क्षमता से परिचित होंगे।*

2.1 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद-

कविता के स्वरूप से अवगत होंगे।

** कविता का महत्त्व एवं उपयोगिता जान जाएँगे।*

** कविता के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र से परिचित होंगे।*

** कहानी का स्वरूप जान जाएँगे।*

** कहानी का महत्त्व एवं उपयोगिता से अवगत होंगे।*

** कहानी के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र से वाकीब होंगे।*

** यात्रावृत्त के स्वरूप से अवगत होंगे।*

** यात्रावृत्त के महत्त्व और उपयोगिता से परिचित होंगे।*

** यात्रावृत्त के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र समझ जाएँगे।*

3.1 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप

** रिपोर्ताज का स्वरूप से परिचित होंगे।*

** रिपोर्ताज का महत्त्व समझ पाएँगे।*

** रिपोर्ताज की उपयोगिता से परिचित होंगे।*

** रिपोर्ताज के क्षेत्रो से परिचित हो जाएँगे।*

** साक्षात्कार का स्वरूप समझ पाएँगे।*

** साक्षात्कार का महत्त्व समझ पाएँगे।*

** साक्षात्कार की उपयोगिता से अवगत हो पाएँगे।*

** साक्षात्कार के क्षेत्रों से परिचित हो जाएँगे।*

4.1 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद

1. *दृश्य साहित्य लेखन तथा पत्रकारिता से परिचित होंगे।*
2. *पत्रकारिता के स्वरूप की जानकारी होगी।*
3. *पत्रकारिता, छायाचित्र तथा कार्टून का महत्त्व समझ पाएँगे।*
4. *दृश्य साहित्य लेखन की उपयोगिता से परिचित होंगे।*
5. *छायाचित्र तथा कार्टून से अवगत होंगे।*
6. *खेल पत्रकारिता से अवगत होंगे।*
7. *सिनेमा पत्रकारिता की जानकारी होगी।*
8. *ग्रामीण पत्रकारिता के उपयोग से परिचित होंगे।*

प्रश्नपत्र क्रमांक-B: सत्र 2

व्यावहारिक लेखन

(शैक्षिक वर्ष 2019-20 से)

बी.ए. भाग 1 हिंदी (अनिवार्य) (शैक्षिक वर्ष-2019-20 से 2020-21, 2021-22, 2022-23) प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की मॉडल पाठ्यचर्या (CBCS) के आलोक में किया गया है।

1.1 उद्देश्य-

प्रस्तुत इकाई को पढ़ने के उपरांत निम्न उद्देश्य अंकित होते हैं-

** मातृभाषा के महत्त्व को जान सकेंगे।*

** संपर्कभाषा के महत्त्व को समझेंगे।*

** हिंदी राजभाषा के महत्त्व परिचित हो जाएँगे।*

** वाणिज्यिक हिंदी, वैज्ञानिक हिंदी एवं तकनीकि हिंदी के रूपों से परिचित हो जाएँगे।*

2.1 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद -

1. पत्राचार के स्वरूप एवं प्रकारों को परिचित कराना।

2. प्रारूप तैयार करने में सहायता प्रदान करना।

3. रोजगार प्राप्ति हेतु आवेदन पत्र को परिचित कराना।

4. सरकारी पत्र को परिचित कराना।

5. अर्धसरकारी तथा गैरसरकारी पत्र को परिचित कराना।

3.1 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद आपको -

1. अनुवाद के स्वरूप का ज्ञान होगा।

2. अनुवाद के प्रकारों का ज्ञान होगा।

3. अनुवाद के महत्त्व का ज्ञान होगा।

4. अनुवाद. की उपयोगिता का ज्ञान होगा।

5. अनुवाद कार्य के प्रारूप का ज्ञान होगा।

6. विज्ञापन कार्य के प्रारूप का ज्ञान होगा।

4.1 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद

1. 'समाचार' शब्द के अर्थ से परिचित हो सकेंगे।

2. समाचार का स्वरूप समझ सकेंगे।

3. समाचार लेखन की प्रक्रिया से रूबरू हो सकेंगे।

4. समाचार लेखन के उद्देश्य से परिचित हो सकेंगे।

5. समाचार के तत्त्वों से परिचित हो सकेंगे।

6. संपादक के कार्यों से परिचित हो सकेंगे।

7. समाचारपत्र-पत्रिकाओं की साजसज्जा से परिचित हो सकेंगे।

***